

होने/अन्य ~~संभयपक्ष~~ में व्यस्त
होने/बार एलाउमेंट की प्रार्थना से
पत्रावली वास्ते ६२५३७५५५
दिनांक ५/१२/१९ को पेश हो।

५/१२/१९

पत्रावली पेश हुई। उक्त पत्र उपाधिकृत हैं। डिप्टी क १ व
२ बायबूट सुपुन के उपाधिकृत गरी हैं। इन्हे डिप्टी एड
लखन कार्यालय के आदेश दिए जाते हैं। पत्रावली वास्ते
ज्याय दिनांक २/१/२० को पेश हो।

२/१/२०

पत्रावली पेश हुई उभयपक्ष उपस्थित
है/पीठासीन अधिकारी अवकाश में
होने/अन्य राजकीय कार्य में व्यस्त
होने/बार ^{२ (अधीन अध्याय)} एलाउमेंट की प्रार्थना से
पत्रावली वास्ते ७५१७
दिनांक २९/१/२० को पेश हो।

प्रकरण संख्या:- २०१८/०००३३

२९.१.२०

पत्रावली पेश हुई, प्रकरण का अफिलोसफ किया बिपरीत
भी जोर से कोई जवाब पेश नहीं हुआ जवाब कानूनी किया
गया. प्रकरण में वादित तर्कों पर तर्क किया तो पाया
कि पार्ची के द्वारा आरुणा भी आ.न. २९ रकबा ०.१०००ई
आ.न ३० रकबा १.०७००ई किया २ रकबा १.०८००ई पार्ची में
और जगदीश पिता हीरा कालाई का १/३ हिस्सा शरीर रजि.
पत्रावली दिनांक ५.७.२०१७ को कृत किया गया है जिसमें
पार्ची १/३ हिस्सा का खतमा कृत है जो पार्ची का
स्वीकार किया जाना अर्थात् है। पार्ची का शरीर
स्वीकार कर आदेश दिया जाना है कि जहाँ आरुणा भी
विवादित आराजीयत के तर्क वाद के निर्णय एक जगह आरुणा

विवादित काशजी न $\frac{29}{0.01}$ $\frac{30}{1.07}$ किता 2 सक्कर 1.08072
के वादी के $\frac{1}{3}$ हिस्से के विपक्षीयता किसी तरह का
खत नही करे न काम से करार तथा छात्रों की
जाल को कोई उभार नही फुटार, रेफरि एवं
मौके की प्रतीति धारण रखे, किसी तरह का
कोई परिवर्तन नही करे। पनावली जेपल अका
दमील नका से काम हो।

Signature

30.1.2020

साहायक कलेक्टर (उपखण्ड अधिकारी),
रायपुर (भीलवाडा)

